शेख़ फ़रीद – सबद १२०
फरीदा दरवेसी गाखड़ी चोपड़ी परीति ॥
सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८४

फरीदा दरवेसी गाखड़ी चोपड़ी परीति ॥
इकनि किनै चालीऐ दरवेसावी रीति ॥११८॥

सार: सुविधा का भ्रम यह दिखाता है कि हमारा मन असलियत से कैसे कतराता है, वह सच की कड़वाहट का सामना करने के बजाय, मन को सुकून देने वाली कल्पनाओं को चुन लेता है। विडंबना यह है कि आराम की यह बढ़ती चाहत, असल में बेचैनी को और बढ़ा सकती है क्योंकि आराम की तलाश और बेचैनी, दोनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। अपनी उम्मीदों के प्रति संतुलित नज़रिया अपनाकर, हम संतोष की भावना विकसित कर सकते हैं और यही संतोष हमें सुविधा का ज़्यादा गहन और स्थायी अनुभव प्रदान करता है।

फरीदा दरवेसी गाखड़ी चोपड़ी परीति ॥
फ़रीद कहते हैं कि सच्चा साधक बनने की यात्रा तब मुश्किल हो जाती है जब मोह-माया में फँस जाते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोह-माया का बोझ बहुत भारी होता है और यह हमें आध्यात्मिक रूप से नीचे खींच सकता है।

इकनि किनै चालीऐ दरवेसावी रीति ॥११८॥
बहुत कम ही समर्पित साधक के रास्ते पर चल पाते हैं। यह ज़ोर देता है कि उन प्रलोभनों और भ्रामक भटकावों के सामने अडिग रहना कितना ज़रूरी है जो हमें रास्ते से भटका सकते हैं। (११८)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद इसका समर्थन करते हैं कि सच्ची मुक्ति की यात्रा केवल उन बहादुर लोगों के लिए है जो भ्रमों के आकर्षण को छोड़कर वास्तविकता की स्पष्टता को अपनाने का साहस रखते हैं। इस मार्ग पर चलने के लिए ऐसे अडिग समर्पण की आवश्यकता होती है जो हमें उन प्रलोभनों और

भटकाने वाले आकर्षणों के सामने भी दृढ़ बनाए रखे जो आसानी से हमें लक्ष्यों से विचलित कर सकते हैं। हालाँकि, इस चुनौती को स्वीकार करके, हम जीवन में गहन उद्देश्य और संतुष्टि का अनुभव प्राप्त करते हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com